दूरभाष - 0180-2569134, 2569133
फैक्स – 0180-2569177
ईमेल : - contact@gandhismarknidhi.org

गांधी स्मारक निधि

पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश
स्वाध्याय आश्रम पट्टीकल्याणा, जिला पानीपत

www.gandhismaraknidhi.org

वार्षिक कार्य का विवरण **2009-10** (अप्रैल **2009** से मार्च **2010** तक)

प्रस्तावना

गांधी स्मारक निधि पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश वर्ष 2009-2010 का वार्षिक कार्य विवरण प्रकाशित करते समय हमें हर्ष हो रहा है कि देश–विदेश तथा समाज की विषम परिस्थितियों के बावजूद गांधी जी के रचनात्मक कार्यों में लगी इस संस्था का अपना विशेष योगदान है। संस्था द्वारा सामाजिक–आर्थिक जीवन में सुधार लाने की कोशिश जारी है।

संस्था के कार्यकर्ता समाज के सेवक हैं, वे अपनी सीमाओं मे रहते हुए समाज सेवा के प्रति समर्पित हैं। गांधी जी के रचनात्मक कार्य गोपालन, खादी, तत्वप्रचार, सर्वधर्म एकता, प्राकृतिक चिकित्सा, शिक्षण, ग्राम स्वराज्य, कम्प्यूटर प्रशिक्षण आदि कार्यों में निधि के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा है। इनके लिये मैं सबका आभारी हूँ।

कार्य की समग्रता को समेटे यह कार्य विवरण हम सबके लिए तथा भविष्य में और कार्यक्रम चलाने में उपयोगी सिद्ध होगा, ऐसी आशा है।

संस्था के कार्यक्रमों में आश्रमवासियों एवं गांव पट्टीकल्याणा, समालखा तथा स्थानीय संस्थाओं का विशेष सहयोग मिला है। इनका हम हृदय से आभार प्रकट करते हैं।

तिथि : 10-07-2010

देवराज त्यागी
मन्त्री

गांधी जी के रचनात्मक कार्यक्रम

1. कौमी एकता
2. अस्पृश्यता
3. मद्यनिषेद्य
4. खादी को बढ़ावा
5. ग्रामोद्योगों का प्रोत्साहन
6. गांवों की सफाई
7. बुनियादी तालीम
8. प्रौढ़ शिक्षा
9. स्त्री उद्धार के कार्य
10. आरोग्य के नियमों की शिक्षा
11. प्रांतीय भाषाओं का सम्मान
12. राष्ट्रभाषा को बढ़ावा
13. आर्थिक समानता
14. किसानों की दशा में सुधार
15. मजदूर कल्याणकारी योजनायें
16. आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाना
17. कुष्ठरोगीयों की सेवा
18. विद्यार्थीयों का मार्गदर्शन
19. गौसेवा–पशु सुधार

संक्षिप्त परिचय

30 जनवरी 1948 को गांधी जी के महाप्रयाण के बाद देश में अन्धकार सा छा गया था। ऐसी हालत में गांधी विचार के कुछ शीर्षस्थ नेताओं ने 6 फरवरी 1948 को दिल्ली में एक मीटिंग करके तय किया कि गांधी जी द्वारा अपने जीवन काल में चलाये गये रचनात्मक कार्य को गतिमान करने के लिए एक कोष जमा किया जाए। इन नेताओं की प्रेरणा से अखिल भारतीय स्तर पर एक ट्रस्ट स्थापित किया गया। जिसकी ओर से समस्त राष्ट्र के नाम एक अपील निकाली गई। पूरे देश की जनता ने उस अपील के अनुसार दान देकर एक फण्ड का निर्माण किया। फण्ड का नाम (Gandhi National Memorial Fund) गांधी स्मारक निधि रखा गया। इस कार्य को विकेन्द्रित करने की दृष्टि से ट्रस्ट की प्रांतीय शाखायें स्थापित की गई। प्रान्त से प्राप्त राशि का 25 प्रतिशत धन केन्द्रीय ट्रस्ट के लिये अलग रख शेष 75 प्रतिशत धन प्रान्त के कार्यों के लिए अलग किया गया। पंजाब ट्रस्ट जिसका नाम बाद में ''गांधी स्मारक निधि पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश'' रखा गया।

इस क्षेत्र में ट्रस्ट के लिए कुल 75 लाख 22 हजार 7 सौ 22 (75,22,722) की राशि जमा हुई थी, जिसमें 37,27,000/- रुपये प्रान्त के रचनात्मक कार्यों के लिए उपलब्ध हुआ। सन् 1957 तक इस शाखा का कार्य संचालन सलाहकार मण्डल की सहायता से होता रहा। किन्तु 1958 में सलाहकार मण्ड़ल के स्थान पर कार्यकारी मण्डल की स्थापना की गई तथा संचालक के स्थान पर मन्त्री नियुक्त किया गया। सन् 1963 में शाखा को एक स्वतन्त्र संस्था के रुप में सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI of 1860 के द्वारा रजिस्टर्ड करा लिया गया।

स्वाध्याय आश्रम पट्टीकल्याणा :

गांधी स्मारक निधि पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश का प्रधान कार्यालय इस आश्रम में है। इस आश्रम की स्थापना 16 जून 1955 को उत्तर प्रदेश के रचनात्मक नेता एवं मन्त्री श्री विचित्र नारायण के करकमलों द्वारा हुई। प्राकृतिक वातावरण में बसा यह आश्रम दिल्ली से 70 कि०मी० उत्तर की ओर जी०टी० रोड़ पर स्थित है।

स्वाध्याय आश्रम संस्था का केन्द्रीय स्थान है। संस्था की सारी गतिविधियां यहां से संचालित होती हैं। प्रातः 4 बजे से लेकर रात्रि 9 बजे तक आश्रम का कार्य चलता है। सामूहिक सफाई आश्रम की विशेषता है। समस्त कार्यक्रम व सफाई आश्रमवासी मिलकर करते हैं। आश्रम में सफाई के लिए अलग से कोई व्यक्ति नियुक्त नहीं है। यहां पर निम्नलिखित प्रवृतियां चलाई जा रही हैं –

स्वाध्याय वर्ग आश्रम :-

यह वर्ग 1970 से नियमित रुप से चल रहा है। स्वाध्याय वर्ग में सद्–साहित्य के पठन–पाठन के साथ चर्चा चलती है। सदग्रन्थों के अतिरिक्त गांधी विचार की पत्रिकायें, लेख, रिर्पोट, समाचार आदि पढ़े जाते हैं। इस वर्ग को समय–समय पर बाहर से आने वाले महापुरुषों का मार्ग दर्शन भी मिलता है।

बाल कल्याण केन्द्र
(निराश्रित बच्चों की योजना)

यह केन्द्र वर्ष 1977 से आश्रम परिसर में सुचारु रुप से चल रहा है। इस वर्ष निराश्रित बच्चों की संख्या 25 रही है। जिसमें लड़के एवं लडकियां दोनों हैं। केन्द्र में उन बच्चों को प्रवेश दिया जता है, जिनकी उम्र 5 से 12 वर्ष होती है तथा जिनके माता–पिता नहीं होते अथवा उनमें से कोई एक नहीं होता और बच्चे निर्धनता के कारण शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकते। सभी बच्चे देहातों के अतिनिर्धन परिवारों के रखे जातो हैं। बच्चों में अच्छे संस्कार डालने और उन्हे श्रमनिष्ठ बनाने का प्रयास रहता है। बच्चों को शिक्षा के साथ प्रार्थना, भजन, सफाई, रसोई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का ज्ञान भी कराया जाता है। बच्चों के रखरखाव जैसे भोजन, वस्त्र, शिक्षण, निवास, उपचार आदि का सारा खर्च संस्था तथा दानदाताओं की सहायता से वहन किया जाता है।

इस वर्ष महिला तथा बालविकास विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा 2.70 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ।

बच्चों की प्रातः पांच बजे से रात्रि नौ बजे तक के कार्यक्रम निर्धारित होते हैं। बच्चों में प्रबंधकीय सोच जागृत करने के लिए आवास व भोजन व्यवस्था के संचालन में उनका सहयोग लिया जाता है। संस्था में समय–२ पर होने वाले कार्यक्रमों में बच्चे बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। विवरण अवधि में बच्चों ने 12 फरवरी 2010 को कुरुक्षेत्र में लगने वाले गांधी श्राद्ध दिवस–सर्वोदय मेले में भाग लिया। मार्च 2010 में शैक्षिणक दौरा कराया गया जिसमें छतबीड़ चिड़ियाघर, पिजौंर गार्डन, सुखना झील, रॉक गार्डन, मनसा देवी मन्दिर एवं अन्य दर्शनीय स्थल शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त कम्प्यूटर द्वारा उनको विभिन्न विषयों पर ज्ञान वर्धक फिल्में एवं चित्र दिखाये गये। बच्चों के लिए इनडोर खेलों का भी प्रबंध है।

सभी बच्चे संस्था द्वारा संचालित प्राथमिक पाठशाला में शिक्षा ग्रहण करते हैं। प्रत्येक माह में एक बार बच्चों की काउंसलिंग की जाती है।

गांधी विद्या मन्दिर

गांधी स्मारक निधि प्राथमिक विद्यालय

गांधी विद्या मन्दिर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में अच्छे संस्कार पैदा करना है। विवरण अवधि में बच्चों की कुल संख्या 168 रही, जिसमें 25 बच्चे बालकल्याण केन्द्र के निशुल्क शिक्षा ग्रहण करते रहे। इसमें नर्सरी कक्षा से कक्षा 6 तक पढ़ाया जाता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास को मूल उद्देश्य मानकर यह विद्यालय चलाया जा रहा है। बच्चों में सृजनात्मक वृत्ति पनपे, इसके लिए उन्हे मोमबत्ती बनाना सिखाया जाता है। पर्यावरण के बारे में भी बच्चों को विशेष जानकारी दी जाती है। बच्चों के स्वास्थ्य एवं आत्मिक विकास के लिये योग की कक्षायें भी चलाई जाती हैं।

विद्या मन्दिर में राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम चलाया जाता है। अंग्रेजी भाषा का ज्ञान नर्सरी से दिया जाता है।

बच्चों द्वारा बालसभा आयोजित की जाती है। पर्व, त्यौहारों से उनकी सम्बन्धता व मनाने का प्रयास रहता है। स्कूल में पहली बार स्काउट कब–बुलबुल का अभ्यास आरम्भ किया गया। नई स्कूल बस खरीद की गई। सुलेख प्रतियोगितायें आयोजित की गई। स्कूल निर्देशिका द्वारा स्टॉफ की काउंसलिंग भी की गई।

ई० चौपाल

(कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र)

स्वाध्याय आश्रम, पट्टीकल्याणा के परिसर में हरियाणा सरकार द्वारा मिली अनुदान राशि की सहायता से ई० चौपाल (कम्प्यूटर केन्द्र) की स्थापना इस वर्ष की गई। ई० चौपाल के संचालन के लिए एक कम्प्यूटर प्रशिक्षक की नियुक्ति की गई है। इस केन्द्र में क्षेत्र के लोगों को एक माह का बुनियादी कम्प्यूटर कोर्स निशुल्क कराया जाता है। कम्प्यूटर के विशेष कोर्स वाजिब फीस में करवाये जाते हैं। इसके अतिरिक्त ई० चौपाल में रेल आरक्षण, इन्टरनैट केन्द्र, कम्प्यूटर टाईपिंग इत्यादि सुविधायें भी उपलब्ध हैं। क्षेत्र के लोगों को इन्टरनेट से जानकारी जैसे रिजल्ट इत्यादि निशुल्क दिखाये जाते हैं। फरवरी में केन्द्र शुरु होने से 31 मार्च 2010 तक 15 विद्यार्थीयों ने पंजीकरण करवाया तथा कम्प्यूटर का बुनियादी कोर्स पूरा किया।

प्राकृतिक जीवन केन्द्र

यह केन्द्र पिछले 41 वर्षों से जनता के स्वास्थ्य की देखभाल करता आ रहा है। केन्द्र में 100 शैय्याओं का प्रबन्ध है। महिला तथा पुरुष उपचार की अलग–अलग व्यवस्था है। यह केन्द्र एक योग्य चिकित्सक दम्पत्ति की देखरेख में चल रहा है।

विवरण अवधि में उपचार से पूर्ण लाभ पाने वालों की संख्या 638, उपचार बीच में छोड कर जाने वालों की संख्या 200, उपचार लेने वालों की उपस्थिति 15688, दैनिक औसत लगभग 43 रहा। आउटडोर से लाभ पाने वालों की दैनिक औसत संख्या लगभग 2 रही। अनेक अन्य रोगियों ने परामर्श लेकर भी लाभ उठाया। गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति द्वारा आयोजित परीक्षा NDDY के लिए 32 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। कुछ कमरों में नये शौचायल, स्नानघर बनाये गये तथा कूलर फिट किये गये।

वर्ष 1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 तक निम्न शिविर लगाये गये -

CCRYN दिल्ली के सौजन्य से सोनीपत, हिसार व आश्रम पट्टीकल्याणा में प्राकृतिक चिकित्सा के कुल पांच शिविरों का आयोजन किया गया।

सोनीपत में 13-17 नवम्बर 2009 को शिविर लगाया गया, जिसमें नियमित प्रातः योगाभ्यास तथा डा० विकास सक्सेना के व्याख्यान हुए। इस शिविर में 115 लोगों ने भाग लिया और स्वास्थ्य लाभ उठाया। इसके साथ ही रुपये 14000/- की ग्रामोद्योग बिक्री भी हुई।

घ्पट्टीकल्याणा आश्रम में 25 दिसम्बर 2009 से 3 जनवरी 2010 तक तीन शिविरों का आयोजन किया गया। दिसम्बर–जनवरी माह की कड़ाके की ठण्ड़ के बावजूद शिविर में 76 शिविरार्थियों ने भाग लिया और प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ उठाया। इन शिविरों का संचालन प्राकृतिक जीवन केन्द्र के मुख्य चिकित्सक डा० विकास सक्सेना ने किया।

हिसार शहर में 21 फरवरी से 24 फरवरी 2010 तक प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 160 शिविरार्थियों ने भाग लिया और प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ उठाया। इस शिविर में प्राकृतिक जीवन केन्द्र के पूर्व मुख्यचिकित्सक डा० सुमेर चन्द गुप्ता ने प्राकृतिक चिकित्सा व योग पर विस्तृत रुप से जानकारी दी।

केन्द्र की मुख्य विशेषतायें –

1. केन्द्र में गरीब निःसहाय रोगियों के लिए उपचार की निःशुल्क व्यवस्था है।
2. केन्द्र में नियमित प्रातः 5 बजे सामूहिक प्रार्थना के बाद यौगिक क्रियाओं को कराने की व्यवस्था है। सांयकाल प्राकृतिक व आध्यात्मिक विषयों पर प्रवचन होता है।
3. केन्द्र में प्राकृतिक चिकित्सा के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था है।
4. केन्द्र पर एन०डी०डी०वाई० की परीक्षाओं का आयोजन भी किया जाता है।
5. पत्र–पत्रिकाओं में प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में लेख प्रकाशित कराये जाते हैं।
6. स्कूलों, कॉलेजों में प्राकृतिक चिकित्सा बारे व्याख्यान दिये जाते हैं।
7. प्राकृतिक चिकित्सा शिविर लगाये जाते हैं।

खादी ग्रामोद्योग एवं पुस्तक बिक्री भण्डार

विवरण अवधि में संस्था की ओर से आश्रम परिसर में बिक्री भण्डार चलाया गया। इस बार ग्रामोद्योग के काम को बढ़ाया गया। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक चिकित्सा में उपयोग होने वाले प्राकृतिक उपकरण भी रखे गए।

विवरण अवधि में इस विभाग का बिक्री कार्य निम्न प्रकार रहा –

	वर्ष 2008-09	वर्ष 2009-10
सूती खादी बिक्री	2,21,031	1,69,448
पोली खादी बिक्री	99,933	1,57,401
ऊनी खादी बिक्री	82,024	1,15,221
सिल्क	9,002	--------
ग्रामोद्योग बिक्री	1,70,341	2,13,645
साहित्य बिक्री	81,631	62,925
कम्बल बिक्री	4,350	-------
प्राकृतिक चिकित्सा उपकरण	42,786	75,454
चण्डीगढ़ प्रदर्शनी	----------	31,631
कुल	7,11,099	8,25,725

गौशाला

संस्था द्वारा आश्रम परिसर में एक गौशाला चलाई जा रही है। इस वर्ष कुल पशु संख्या 25 रही। जिसमें 2 बैल, 1 सांड, 13 बछड़े–बछड़ी तथा 9 गायें हैं। गौशाला के साथ 14 एकड़ जमीन है जिसमें खाने योग्य गेहूँ, चारा, साग–सब्जी उगाई जाती है। जैविक खाद से गेहूँ भी तैयार किया गया।

पुस्तकालय - वाचनालय

संस्था द्वारा यह केन्द्र पिछले 50 वर्षों से चलाया जा रहा है। जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी आदि भाषाओं की छः हजार के करीब पुस्तकें हैं। दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक व मासिक समाचर पत्र व पत्रिकायें भी आती हैं। आसपास के गांव के लोग व आश्रम परिसर में आने वाले महानुभाव इससे लाभ उठाते हैं।

निधि के अन्य कार्यक्रम

15 अगस्त 2009 को पट्टीकल्याणा आश्रम परिसर में झण्डा फहराया गया। इस अवसर पर गांधी विद्या मन्दिर के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मन्त्री ने इस दिन के बारे में उपस्थित जनता को जागरुक किया। प्रसाद वितरण व राष्ट्रीयगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

11 सित्मबर 2009 को विनोबा जयन्ती बड़ी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। सुबह पांच बजे गांव पट्टीकल्याणा में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग पैंतीस लोगों ने भाग लिया। दोपहर बाद चार बजे से सामूहिक चरखा कताई एवं सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। इसके साथ ''बाबा विनोबा'' नामक पुस्तक का वाचन किया गया।

12 सित्मबर 2009 को दीदी विद्यावती की पुण्यतिथि का कार्यक्रम हवन यज्ञ से शुरु हुआ। सूत्र यज्ञ के साथ ''इन्सानियत के पहरेदार'' नामक पुस्तक से दीदी के कार्यों पर प्रकाश डाला गया। इसी दिन बाबू मूलचन्द जी की पुण्यतिथि भी मनाई गई, इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वतन्त्रता सेनानी संगठन की अध्यक्षा शांता जैन जी ने की तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एस०के० जैन थे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के स्कूल एवं कॉलेजों के छात्र–छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता हुई।

2 अक्तूबर 2009 गांधी जयन्ती के अवसर पर प्रातः गांव पट्टीकल्याणा में प्रभात फेरी निकाली गई। जिसमें चालीस लोगों ने भाग लिया। दोपहर बाद चार बजे सामूहिक चरखा कताई, सर्वधर्म प्रार्थना के साथ सभा का आयोजन किया गया।

10 नवम्बर 2009 को श्रद्धेय स्वर्गीय ओम प्रकाश त्रिखा की पुण्य तिथि एवं माता लक्ष्मी देवी त्रिखा स्मृति दिवस का कार्यक्रम हवन यज्ञ से शुरु हुआ। सभा की अध्यक्षा समाजसेवी सरला बहन तथा मुख्य अतिथि गांधीवादी विचारक श्री कमलकांत मुम्बई ने की। सभा में गांव पट्टीकल्याणा के अनेंक गणमान्य व्यक्तियों तथा क्षेत्र के अनेक शिक्षाविदों ने भाग लेकर श्रद्धांजली अर्पित की।

27 दिसम्बर 2009 को पानीपत नागरिक मंच एवं गांधी स्मारक निधि के तत्वाधान में हरियाणा प्रदेश के प्रबुद्ध नागरिकों की एक बैठक पानीपत के स्काईलार्क विश्राम गृह में श्री महेशदत्त शर्मा की अध्यक्षता में हुई। समाज में नशाखोरी, कन्या भ्रुण हत्या, दहेज प्रथा, भ्रष्टाचार, महिला एवं दलित उत्पीड़न आदि से समाज को मुक्त किये जाने के विषय पर कामरेड़ रघुवीर सिंह, श्रीमती निर्मल दत्त, श्री सतीश गुगलानी, राममोहन राय एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इसी बैठक में हरियाणा नागरिक मंच की स्थापना की गई।

18 जनवरी को स्व० श्री भीमसेन सच्चर जी की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ हवन यज्ञ से हुआ। इसके बाद छात्र–छात्राओं के बीच ''ग्लोबल वार्मिंग'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। इसी विषय पर अमेरिका से आये वैज्ञानिक कृति तथा इम्तियाज ने प्रकाश डाला। सभा में आये अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी श्रद्धांजली अर्पित की।

30 जनवरी को शहीदी दिवस पर पानीपत के किला मैदान में सभा का आयोजन किया गया। प्रातः पट्टीकल्याणा गांव में प्रभात फेरी की जिसमें 40 व्यक्तियों ने भाग लिया। उसके बाद सामुहिक श्रमदान व चर्खा कताई भी हुई।

12 फरवरी को कुरुक्षेत्र में बापू श्राद्ध दिवस में सभी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सर्वोदय सम्मेलन गोवाहटी, आसाम तथा खादी मिशन की खादी सभा वर्धा में मन्त्री ने संस्था की ओर से भाग लिया।

13 मार्च 2010 को हरियाणा नागरिक मंच की ओर से करनाल में आयोजित बैठक में संस्था के चेयरमैन व मन्त्री ने संस्था का प्रतिनिधित्व किया।

संस्था के बाहरी केन्द्रों की गतिविधियां

गांधी स्मारक भवन, सैक्टर-16 ए, चण्डीगढ़

केन्द्र द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम निम्न हैं –

पुस्तकालय/वाचनालय – पुस्तकालय में आने वाले पाठकों की संख्या 14950, जारी की गई पुस्तकें 110 रही।

बाल पुस्तकालय –

केन्द्र में बच्चों की रुचि की परन्तु चरित्र निर्माण करने वाली पुस्तकें तथा पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। बच्चों के आऊटडोर गेम खेलने की भी व्यवस्था है। जिसका बच्चों ने लाभ उठाया।

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र –

प्रशिक्षित महिला कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यह विभाग सुचारु रुप से चलता रहा। इस वर्ष प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बहनों की मासिक औसत संख्या 10 रही।

साहित्य एवं ग्रामोद्योग बिक्री केन्द्र –

केन्द्र द्वारा गांधी, विनोबा, प्राकृतिक चिकित्सा, सर्वोदय विचार साहित्य की बिक्री की गई। इस वर्ष कुल रुपये 1,80,102 का साहित्य बिका तथा ग्रामोद्याग बिक्री 1,04,547 रुपये रही।

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केन्द्र

डा० एम०पी० डोगरा एवं डॉ० पूजा के मार्गदर्शन में चल रहा है, जिसमें औसतन 8 रोगी प्रतिदिन की हाजिरी रही।

केन्द्र पर उपचारक एवं एन०डी०डी०वाई० डिप्लोमा कोर्स फार्म भरवाने की भी व्यवस्था है। प्रशिक्षणार्थियों को प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी हो, इसके लिए

प्रत्येक रविवार को वर्ग का आयोजन किया जाता है। उपचारक एवं एन०डी०डी०वाई की परीक्षा प्रत्येक वर्ष जून तथा दिसम्बर में आयोजित की जाती है। इस वर्ष 186 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

इसके अतिरिक्त स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस आदि के कार्यक्रम स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मनाये गये। समय–समय पर शिविर सम्मेलनों में भाग लेकर गुण विकास किया गया व गांधी विनोबा जी के विचारों का प्रचार–प्रसार किया गया।

गांधी अध्ययन केन्द्र, जालन्धर शहर

पुस्तकालय – वाचनालय में पाठकों की संख्या 3570 रही।
प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केन्द में विवरण अवधि में 10-12 रोगी प्रतिदिन आते रहे। काफी लोगों ने प्राकृतिक चिकित्सा पर सलाह लेकर लाभ उठाया।
72 छात्र–छात्राओं ने एन०डी०डी०वाई की परीक्षा दी। पुस्तकों की बिक्री 26,137/- रुपये तथा ग्रामोद्योग बिक्री 15,256/- रुपये रही

इसके अतिरिक्त स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस आदि के कार्यक्रम स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मनाये गये। समय–समय पर शिविर सम्मेलनों में भाग लेकर गुण विकास किया गया व गांधी विनोबा जी के विचारों का प्रचार–प्रसार किया गया।

गांधी घर, डेरा बस्सी (पंजाब)

पुस्तकालय – वाचनालय –

पुस्तकालय में बैठकर पढ़ने वालों की संख्या 4,223, पत्र–पत्रिकाओं की संख्या 9.

सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र –

एक प्रशिक्षित कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यह केन्द्र सुचारु रुप से चलाया जा रहा है। इस वर्ष प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बहनों की मासिक औसत हाजिरी 12 रही।

बालबाड़ी केन्द्र –

यह केन्द्र 1977 से सुचारु रुप से चलाया जा रहा है। इस वर्ष बच्चों की औसत मासिक हाजिरी 5 रही।

साहित्य एवं ग्रामोद्योग की 10,134/- रुपये बिक्री की गई।

केन्द्र पर सुबह 9 बजे सर्वधर्म प्रार्थना की जाती है। केन्द्र पर 15 अगस्त, 11 सितम्बर, 2 अक्तूबर, 26,30 जनवरी के कार्यक्रम स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मनाये गये। प्रातः 6 बजे योग कक्षाओं की क्लास नियमित चलती रही। जिसमें 7-8 लोग नियमित भाग लेते रहे। इसके अलावा ग्रामोद्योग एवं पुस्तक बिक्री का कार्य भी शुरु किया। जो ठीक चल रहा है।

गांधी अध्ययन केन्द्र, सर्वोदय भवन, हिसार (हरियाणा)

पुस्तकालय – वाचनालय –

संस्था द्वारा यहां पर वाचनालय–पुस्तालय के साथ–साथ प्राकृतिक चिकित्सा का कार्य भी किया जा रहा है। पुस्तकालय तथा वाचनालय में पाठकों की संख्या 17,467 रही। विचार प्रचार की दृष्टि से प्रत्येक रविवार को सभा का आयोजन किया जाता है। विवरण अवधि में 52 साप्ताहिक एवं 8 विशेष सभाओं का आयोजन किया गया। विवरण अवधि में स्वास्थ्य लाभ लेने वालों की संख्या 221 रही। साहित्य बिक्री 7,828/- तथा ग्रामोद्योग बिक्री 30,745/- रही।

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के दो शिविर लगाये गये। जिसमें डा० सुमेर चन्द गुप्ता एवं डा० विकास सक्सेना ने अपनी सेवायें दी।

केन्द्र पर 15 अगस्त, 11 सितम्बर, 2 अक्तूबर, 26 जनवरी, 30 जनवरी के कार्यक्रम स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मनाये गये।

बालवाड़ी केन्द्र, हरसेमानसर (पंजाब)

यह केन्द्र 1983 से सुचारु रुप से चलाया जा रहा है। केन्द्र में बच्चों को सामूहिक सफाई, प्रार्थना, अक्षर ज्ञान, गिनती, पहाड़े आदि सिखाये जाते हैं। बच्चों की मासिक औसत हाजिरी लगभग 10-12 रही।

कार्यकर्ताओं की सूची

क्रमांक	नाम	पद	विभाग
1	श्री देवराज त्यागी	सचिव	संस्था
2	श्री धर्मपाल छौक्कर	हिसाब नवीस	प्रधान कार्यालय
3	श्री अजय श्रीवास्तव	हिसाब नवीस	प्रधान कार्यालय
4	श्री इन्द्र सिंह	सहायक	प्रधान कार्यालय
5	डा० विकास सक्सेना	मुख्य चिकित्सक	प्राकृतिक जीवन केन्द्र
6	डा० ऋतदर्शनी	चिकित्सक	प्राकृतिक जीवन केन्द्र
7	श्री योगन्द्र प्रसाद यादव	सहायक	प्राकृतिक जीवन केन्द्र
8	श्री प्रसन्न कुमार कौशिक	सहायक	प्राकृतिक जीवन केन्द्र
9	श्री राजेन्द्र छौक्कर	उद्यान कर्मी	प्राकृतिक जीवन केन्द्र
10	श्री प्रवीण कुमार	कम्प्यूटर प्रशिक्षक	ई० चौपाल कम्प्यूटर केन्द्र
11	श्री सुखदेव सिहं	मुख्याध्यापक	गांधी विद्या मन्दिर
12	श्रीमती कांता रानी	वार्डन	बाल कल्याण केन्द्र
13	श्री विकास ठक्कर	निरीक्षक	बाल कल्याण केन्द्र
14	श्री विनय कुमार	व्यवस्थापक	गौशाला एवं खेती विभाग
15	श्री रोशन लाल	व्यवस्थापक	खादी भण्ड़ार
16	डा० एम०पी० डोगरा	चिकित्सक	गांधी स्मारक भवन, चण्डीगढ़
17	डा० पूजा गुप्ता	चिकित्सक	गांधी स्मारक भवन, चण्डीगढ़
18	श्री रामाश्रय	सहायक	गांधी स्मारक भवन, चण्डीगढ़
19	कुमारी सरिता	पुस्तकालयाध्यक्ष	गांधी स्मारक भवन चण्डीगढ़
20	श्री रामेश्वर प्रसाद	व्यवस्थापक	गांधी घर डेरा बस्सी
21	सुश्री हंस हांडा	व्यवस्थापक	सर्वोदय भवन जालन्धर
22	डा० संजीव शर्मा	चिकित्सक	सर्वोदय भवन जालन्धर
23	श्री धर्मवीर	व्यवस्थापक	गांधी अध्ययन केन्द्र हिसार
24	श्री सुरेश कुमार	तत्व प्रचारक	गांधी अध्ययन केन्द्र, हिसार
25	डा० लोकदत्त	चिकित्सक	गांधी अध्ययन केन्द्र, हिसार
26	श्री विपिन कुमार	सहायक	गांधी अध्ययन केन्द्र, हिसार
27	श्रीमती वीना देवी	व्यवस्थापक	हरसेमानसर केन्द्र

अन्य कार्यकर्ता –

6 सहायक (श्री रविन्द्र, श्री धनराज, श्री धर्मेन्द्र, श्री आशीष, श्री अंकित, श्री दिनेश) तथा 6 सहायिकायें (श्रीमती रानी, श्रीमती सुशीला छौक्कर, श्रीमती सुशीला यादव, श्रीमती प्रकाशी देवी, श्रीमती शान्ति, श्रीमती मोनिका) ने प्राकृतिक जीवन केन्द्र में अपना भरपूर योगदान दिया।

2 सहायक (श्री ओमप्रकाश, श्री नितिन) तथा 2 सहायिकाओं (श्रीमती पूनम, श्रीमती राजेश) ने चण्डीगढ़ केन्द्र में अपना योगदान दिया।

सहायिका श्रीमती प्रवीन शर्मा ने जालन्धर केन्द्र पर अपना योगदान दिया।

सहायिका श्रीमती कान्ता रानी तथा सहायक श्री अमित ने हिसार केन्द्र पर अपना योगदान दिया।

श्रीमती रेखा श्रीवास्तव ने डेराबस्सी एवं श्रीमती उषा शर्मा ने चण्डीगढ़ में सिलाई प्रशिक्षक के रुप में योगदान दिया।

श्रीमती राधा रानी एवं श्रीमती सईदा ने बालकल्याण केन्द्र पर सहायिका के रुप में अपना योगदान दिया।

संस्था के सदस्य तथा पदाधिकारी

संस्था के स्टेट बोर्ड (कार्यकारी मण्डल) की वर्ष 2009-10 की सूची निम्न प्रकार है :

1.	श्री महेश दत्त शर्मा	अध्यक्ष	भारतीय खादी ग्रामोद्योग संघ जी०टी० रोड़, पानीपत
2.	श्री ओंकार चन्द	सदस्य	लोक सेवक मण्डल, लाजपत राय भवन, चण्डीगढ़
3.	श्री रामचन्द्र राही	सदस्य	केन्द्रीय गांधी स्मारक निधि, राजघाट, नई दिल्ली
4.	श्री सत्यप्रकाश शर्मा	सदस्य	स्वाध्याय आश्रम, पट्टीकल्याणा
5.	श्री सुमेर चन्द गुप्ता	सदस्य	स्वाध्याय आश्रम, पट्टीकल्याणा
6.	श्री राजबीर सिंह रावत	सदस्य	गांव पट्टीकल्याणा
7.	श्री अमरनाथ तिवारी	सदस्य	पंजाब खादी मण्डल आदमपुर, पंजाब
8.	डा० सुधीर कुमार	सदस्य	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़
9.	श्री एल०पाल सूदन	सदस्य	धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
10.	डा० स्वतन्त्र जैन	सदस्या	स्वाध्याय आश्रम, पट्टीकल्याणा
11.	श्री देवराज त्यागी	मन्त्री	स्वाध्याय आश्रम, पट्टीकल्याणा

दस अनमोल वचन

1. खुराक स्वाद लेने के लिए नहीं, परन्तु शरीर को दास के तौर पर पालने के लिए बनाई गई है।

2. हम दूसरों का ऐब निकालें, दूसरों को दोष दें और खुद को निर्दोष बतावें, यह बड़ी खतरनाक बात है।

3. मैं जो कुछ कहूं वह वजनदार लगे तो नोट करने की बजाये उसे पचाकर जीवन में उतार लेना चाहियें।

4. दृश्य ईश्वर क्या है ? जरुरतमन्द व्यक्ति की सेवा।

5. जीना यानी मौज करना नही, बल्कि ईश्वर की स्तुति करना अर्थात मानव जाति की सच्ची सेवा करना।

6. सत्याग्रही में सत्य का आग्रह–सत्य का बल होना चाहिए।

7. मैं उस परमात्मा के अलावा और किसी ईश्वर को नहीं जानता, जो लाखों मूक प्राणियों के हृदय में मिलता है।

8. हमारी गाड़ी को चलाने वाला ईश्वर है, उसमें बैठे हम लोग जब तक श्रद्धा रखेंगे, वह जरुर चलती रहेगी।

9. आचार्य वह है जो हमें अपने आचार से सदाचारी बनावे।

10. जिनके हाथों में दम है, उन्हे धन की हानि से कभी नहीं डरना चाहिये।